Printed Pages – 7

J-04

B.A. (Part-I) (Old Course)

Examination, 2021

हिन्दी साहित्य

Paper - I

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

Q. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3×7=21**

(क) बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोई।

राम वियोगी न जिवै, जिवै तो बौरा होई।।

सब रंग तंत रबाब तन, बिरह बजावै नित्त।

और न कोई सुणि सके, के साई कै चित्त।।

(ख) कातिक सरद-चंद उजियारी। जग सीतल हौं बिरहै जारी।।

चौदह करा चाँद परगासा। जनहु जरै सब धरति अकासा।।

तन मन सेज करै अगिदाहू। सब कहँ चंद, भएउ मोहि राहू।।

चहूँ खंड लागै अंधियारा। जौं घर नाहीं कंत पियारा।।

(ग) जीवन मुंहचाही को नीको दरस परस दिन-रात करावे

हैं कान्ह पियारे पी को।

नयनन मूंदि-मूंदि किन देखौ बंध्यो ज्ञान पोथी को।

आछे सुन्दर स्याम मनोहर और जगत सब फीको।

(घ) कोपभवन सुनि कुचेउ राऊ। भय बस अगहुड़ परू न पाऊ।

सुरपति बसइ बाहंबल जाकें। नरपति सकल रहहिं रुख ताकें।।

सो सुनि तिय रिस गयउ सुखाई। देखहु काम प्रताप बड़ाई।।

सूल कुलिस असि अंगवनि हारे। ते रतिनाथ सुमन सर मारे।।

(ङ) वहै मुसक्यानि, वहै मृदु बतरानि, वहै

लड़कीली बानि आनि उर मैं आरति है।।

वहै गति लैन औ वजावनि ललित बैन

वहै हँसि दैन, हियरा तें न टरति है।।

Q. 2. कबीर की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **12**

अथवा

नागमती वियोग खण्ड के आधार पर जायसी के प्रकृति-चित्रण का विवेचन कीजिए।

Q. 3. अयोध्याकांड के आधार पर मंथरा के चरित्र पर आलोचनात्मक निबंध लिखिए। **12**

अथवा

घनानन्द की रसरीति को स्पष्ट कीजिए।

Q. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : **3×5=15**

(i) सूर की गोपियाँ

(ii) रसखान का साहित्यिक परिचय

(iii) रहीम के दोहे

(iv) विद्यापति का सौन्दर्य वर्णन

(v) कबीर के राम

Q. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1×15=15**

(i) कबीर की भाषा को सधुक्कड़ी की संज्ञा किसने दी ?

(ii) 'जायस नगर धरम-अस्थानू। तहाँ आइ कबि कीन्ह बखानू' किसकी पंक्ति है ?

(iii) पद्मावत में किसकी कथा का वर्णन किया गया है ?

(iv) तुलसीदास की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(v) कबीर का पालन-पोषण किसने किया था ?

(vi) 'पुष्टिमार्गीय भक्ति के प्रणेता कौन थे ?

(vii) 'पूरन ब्रह्म सकल अबिनासी, ताके तुम हौ ज्ञाता' गोपियाँ यह बात किसके लिए कहती हैं ?

(viii) तुलसीदास के गुरु कौन थे ?

(ix) घनानन्द किसके दरबार में रहते थे ?

(x) 'इश्कलता' किसकी रचना है ?

(xi) कीर्तिलता और कीर्तिपताका किस भाषा में लिखी गई है ?

(xii) रसखान की दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(xiii) अपरूप का कवि किसे कहा जाता है ?

(xiv) 'खेट कौतुकम' किसकी रचना है ?

(xv) 'या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं' किसकी काव्य-पंक्ति है ?

(xvi) कबीर का जन्म कब हुआ था ?

(xvii) सूरदास किस मन्दिर में कीर्तन करते थे ?

(xviii) भई पुछार लीन्ह बनवासू। बैरिनि सवति दीन्ह चिलबांसू' पंक्ति में 'चिलबांसू' शब्द का अर्थ लिखिए।

Printed Pages – 4

JN-04

B.A. (Part-I) (New Course)
Examination, 2021
हिन्दी साहित्य
Paper - I
(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प हैं।

Q. 1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3×7=21**

(क) सतगुरु की महिमा अनँत, अनँत किया उपकार।
लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावनहार।।
राम नाम के पटंतरै, देबै को कछु नाहिं।
क्या लै गुर संतोषिया, हौंस रही मन माहिं।।

(ख) पाट महादेई ! हिए न हारू। समुझि जीउ, चित चेतु सँभारू।।
भौंर कँवल संग होइ मेरावा। सँवरि नेंह मालति पँह आवा।।
पपिहै स्वाती सौं जस प्रीती। टेक पियास, बाँधु मन पीती।।
धरिति ही जैस गगन सौं नेहा पलटि आय बरसा रितु मेहा।।

(ग) नीको रहियो जसुमति मैया।
आवैंगे दिन चारि पाँच में हम हलधर दोउ भैया।।
जा दिन ते हम तुमतें बिछुरे, काहु न कह्यो कन्हैया।
कबहुँ प्रात न कियो कलेवा, साँझ न पीन्हों पैया।।
बंसी बेनु सँभारि राखियो, और अबेर सबेरो।
मति लै जाय चुराय राधिका, कछुक खिलौनो मेरो।।

(घ) अति लघु रूप धरेउ हनुमाना। पैठा नगर सुमिरि भगवाना।।
मंदिर मंदिर प्रति करि सोधा। देखे जहँ तँह अगनित जोधा।।
गयउ दसानन मंदिर माँहीं। अति विचित्र कहि जात सो नाहीं।।
सयन किएँ देखा कपि तेही। मंदिर महुँ न दीख बैदेही।।

(ङ) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छ्वै
हँसि बोलनि में छबि फूलन की बरषा, उर ऊपर जाति है ह्वै।
लट लोल कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै।
अंग अंग तरंग उठै दुति की, परिहै मनौ रूप अबै धर च्वै।।

Q. 2. कबीर के समाज सुधारक रूप की विवेचना कीजिए। **12**

अथवा

नागमती के विरह वर्णन की विशेषताएँ लिखिए।

Q. 3. तुलसी को समन्वयवादी कवि क्यों कहा जाता है ? उदाहरण सहित समझाइए। **12**

अथवा

घनानंद की काव्य कला की समीक्षा कीजिए।

Q. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : **3×5=15**

(i) विद्यापति का साहित्यिक परिचय

(ii) घनानंद का विरह वर्णन

(iii) कबीर की भाषा

(iv) रसखान के सवैये

(v) रामचरित मानस के काण्डों के नाम क्रम से लिखिए।

Q. 5. निम्नलिखित के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए (कोई पन्द्रह) : **15×1=15**

(i) 'साहित्य लहरी' किसकी रचना हैं ?

(ii) किस कवि की भाषा को पंचमेल खिचड़ी कहा जाता है ?

(iii) रसखान रामभक्त थे या कृष्णभक्त ?

(iv) तुलसीदास की पत्नी का नाम क्या था ?

(v) सूरदास किस शाखा के कवि हैं ?

(vi) 'सुजान' किस कवि की काव्य नायिका है ?

(vii) 'पद्मावती' कहाँ की राजकुमारी थी ?

(viii) दास्यभाव की भक्ति किस कवि ने की है ?

(ix) 'पुष्टि मार्ग का जहाज' किस कवि को कहा जाता है ?

(x) किस कवि को 'प्रेम की पीर' का गायक कहा जाता है ?

(xi) 'पद्मावत' में हीरामन तोता किसका प्रतीक है ?

(xii) 'माया मुई न मन मुवा' किस रचनाकार की पंक्ति है ?

(xiii) विद्यापति का जन्म सन् बताइए।

(xiv) रहीम के पिता कौन थे ?

(xv) कबीर का 'गुरु' पर आधारित एक दोहा लिखिए।

(xvi) 'आये जोग सिखावन पांड़े' किस रचनाकार ने लिखा है ?

(xvii) 'विनय पत्रिका' किस कवि की कृति है ?